



स्पष्ट आवाज़

लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, लिलापुर से प्रकाशित

लखनऊ

शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024 वर्ष : 20, अंक: 231 पृष्ठ: 12

www.spashtawaz.com मूल्य: ₹ 3

Stallion Honda

MG Autosales Pvt. Ltd.

Ayodhya Road, Lucknow

Top Reasons to Buy All New Honda Elevate

- World famous iVTEC petrol engine
- Best in segment High Ground Clearance of 220 mm
- 3 Years unlimited KMs of warranty & also 10 Years Any Time Warranty
- Level-2 ADAS ADVANCED DRIVER ASSISTANCE SYSTEM
- Best in class cabin space with 2650 mm wheelbase and 458 Ltrs of Boot Space
- Honda Connect with Smart Watch and Alexa connectivity.

Showroom (1S) :

CP 5, Vikrant Khand, Gomtinagar, Ayodhya Road, Lucknow - 226010
Anaura, After Indira Canal, Ayodhya Road, NH-28, Lucknow

ELEVATE
Starts from ₹11 57 900*



HONDA
The Power of Dreams

[/stallionhonda](#)

Sales: +91 7897222000, +918009809995 | Service: +91 8009090093

आर.सी.जे. जैलस
(आर.सी. जैलस)



सर्वांग बाजार, कुर्सी रोड, अलीगढ़
लखनऊ निकट अर्य सानाम निर्दि
गोल मार्केट, महानगर, लखनऊ
बाजारी गली, घौम, लखनऊ

गो-8299567219, 9455555965, 941513977

संक्षिप्त आवाज़



शेयर बाजार में लगातार

तीसरे दिन तेजी

मुंबई। विश्व बाजार के सकारात्मक

रुक्ण से उत्सुकित निवेदितों की

स्थानीय स्तर पर जांच, यूक्लिटीज, तेल

एवं गोल और पार निवेदित अवधार हमनें

में हुई दमदार निवाली की बैद्यतील आज

शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन तेजी

रही जीवितीर्पाई के तेज शेयरों वाला सेवीं

सूचकांक सेवेंस 227.55 अंक

इन्डेक्स बार्कर एक साह बाद 72 हाउस

अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंच

गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेज़ (एप्सेंड) का निपटी भी 70.70 अंक

की तेजी के साथ 21,910.75 अंक

पर रहा।

विहार विधानसभा के

अधिक चुने गए भाजपा

के नेता नंद किशोर यादव

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

के विहार नेता नंद किशोर यादव गुरुवार

को विहार विधानसभा के नये अधिक

चुने गए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और

उम्मीदवारी समर्थ चौधरी व विजय

कुमार सिंह ने अधिक अवधार नियमन

तक ले गये। पटना की विधानसभा

क्षेत्र से उत्तर वार विधायक विधानसभा

क्षेत्र से उत्तर वार विधायक विधानसभा

के एक दिन अवधार नियमन

के लिए अपना नामांकन दाखिल

किया था।

हेमंत सोरेन को 22 फरवरी

तक व्यायिक हितास

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत

सोरेन को कवित भूमि बाटोले से जुड़े

मनी लाइंग्डी मालाने में गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्यालयी अधिक विवेद

नियोजनात्मक (ईडी) की विवारत के विवारत में एक

पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश एवं

पूर्व मुख्यमंत्री को गुरुवार को एक

विशेष एप्सेंड एवं अवधार ने न्यायिक

दिवालत में भेज दिया है। झारखंड मुक्त

मोर्चों की कार्याल

एक राष्ट्र एक चुनाव बड़ा विचार-बड़ा सुधार

कि

सान संगठन दिल्ली चले अधियान पर निकल पड़े हैं। इससे 2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हुआ है। तब आदोलन से निपटने के सरकारी उपाय किसानों का हैसला तोड़ने में नाकाम रहे थे। बगा इस बार सरकार सफल होगा?

किसान संगठनों की मांगों का ना सिर्फ वर्तमान सत्ताधारी पार्टी, बल्कि आज की पूरी पॉलिटकल इकॉनॉमी के साथ तीखा अंतरिक्ष है। इसलिए इसमें कोई छृत की बात नहीं कि चौंकीगढ़ में नीने केंद्रीय मीटिंगों की टीम के साथ इन संगठनों की बातचीत नाकाम हो गई। लोगों पक्षों में सहमति सिर्फ तभी बन सकती है, जब उमें से कोई अपने बुनियादी प्रस्थान बिंदु से होने के तैयार हो। सरकार तो संभवतः तब तक ऐसा नहीं करेगी, जब तक किसान अपने आदोलन को इन बड़ा ना बना दें, जिसका असर सत्ताधारी दल की चुनावी संभालाओं पर महसूस होने लगे। दूसरी तरफ सरकार की भौजूदा नीतियों से किसानों ने बोला है कि चौंकीगढ़ में कोई अधिकारी प्रस्थान किस तरह बदलाव हो रहे हैं, उनके बीच इन संगठनों के पास भी लंबी लडाई लड़ने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है। यही कारण है कि लगभग दो साल के अंतराल के बाद फिर एक बड़े किसान आदोलन की शुरुआत हो गई है। कई किसान संगठन मंगलवार को अपने दिल्ली चले अधियान पर निकल पड़े हैं। इसके तहत हजारों किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर दिल्ली आने की तैयारी में हैं। इस बीच 16 फरवरी को किसान संगठन देश भर में ग्रामीण बंद का आयोजन करें। उस दिन ट्रेड युनियन भी उक्ती इस लेन्ड में शामिल होती है। दूसरे ट्रेड युनियनों ने उस दिन हड्डतल पर जाने का एलान किया है। इस बीच दिल्ली प्रशासन ने किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए कई उपाय किए हैं। दिल्ली की सभी सीमाओं पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती गई है। सड़कों पर सीमें के बैंकेंड, कंटीनों तरें और नुकीते उपकरणों को लगा दिया गया है। दिल्ली में एक महीने के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है, जिसके तहत किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन, जलसू या यात्रा निकलना प्रतिबंधित कर दिया गया है। हरियाणा सरकार ने अलग से ऐसे उपाय किए हैं, जिससे किसानों को दिल्ली पहुंचने के फले ही रोक दिया जाए। यानी 2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हुआ है। लेकिन तब ऐसे उपाय किसानों का हैसला तोड़ने में नाकाम रहे थे।

आज का इतिहास

भारतीय एवं विश्व इतिहास में 16 फरवरी की महत्वपूर्ण घटनाएं इस प्रकार हैं। 1745-मराठा सामाज्ञ के चौथे थोले माधवराव पेशवा का जन्म। 1822-भारत विद्या से संबंधित विषयों के प्रछात विद्वान राजेन्द्रलाल मित्र का जन्म। 1914-लॉस एंजिलिस और सैन फ्रांसिस्को के बीच वहां से विमान ने उड़ान भरी। 1918-लुथियाना ने खुद को स्वतंत्र घोषित किया। 1931-भारतीय हिंदी लेखक, आलोचक, कवि तथा गद्यकार विश्वनाथ त्रिपाठी का जन्म। 1944-भारत के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक एवं पटकथा लेखक दादा साहब फाल्के का निधन। 1959-राष्ट्रपति फिरेल काल्पो ने फुलगोनसियो बतिस्ता को अपदस्थ करने के बाद व्यवरा की सत्ता संभाली। 1969-मिर्जा गालिब की 100वीं पुस्तितिथि पर डाक टिकट जारी किया गया। 1978-भारतीय किंकरे वर्सी जाफर का जन्म। 1982-कोलकाता (तत्कालीन कलकाता) में पहली बार जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल गोल्डल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। 1986-मेरिओं सोरेस जुताल के प्रथम अर्यानीक राष्ट्रपति निर्वाचित। 1987-पन्डुबी से पन्डुबी पर मार करने की क्षमता वाले मिसाइल को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

काठ की हाँड़ी दोबारा चढ़ाने की कोशिश

हरिशंकर व्यास

भारत सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले अपने 10 साल के राज भी को जरूर ही नहीं थी। बाद में भाजपा ने अपने प्रचार से इसे और बड़ा मुश्ता बना दिया। सरकार को पता है कि भाजपा इस मुद्दे को राज की कमियों बताता है। सोचें, 10 साल पहले जिन मुहों पर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, जिन मुहों को नेंद्र मोदी ने अपने प्रचार की थीम में रखा था, जिन मुहों को लेकर नारे गढ़े थे और पूरे देश में होमिडेंप्सर लगों थे उन्होंने पर फिर से चुनाव लड़ने की तैयारी है। सरकार को पता था कि जब वह मनवाहन सिंह के सरकार के 10 साल यानी 2004 से 2014 के राजकाज पर थेत पत्र लाए गए तो यह सबाल उठाया कि अभी इसकी बात चढ़ाना जरूर है। इसलिए उस समय थेत पत्र लाने का कोई मतलब नहीं था। लोगों को सब कुछ पता था। उल्टे थेंडे दिन के बाद इन सबकी हकीकत भी खुल गई, और पूरे देश में होमिडेंप्सर लगों थे उन्होंने पर फिर से चुनाव लड़ने की तैयारी है। उनके बारे में जिसका उल्लंघन करने के बाद लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। इसलिए उस समय थेत पत्र लाने की चुनावी बड़ी थी। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। बगा इस बार सरकार को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लेकिन यह काठ की हाँड़ी को दोबारा चढ़ाने की कोशिश जीतने के बाद थेत पत्र लाने की तरह है। जिसका कोई तर्क अभी लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। लोगों को यह चढ़ाना जरूर है। यही कारण है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद

